मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BBHLA–135

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.बी.एच.एल.ए.-135 : आधुनिक भारतीय भाषा-भोजपुरी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभ प्रश्नन के उत्तर दीं।*

---

1. नीचे लिखल वाक्य में से सही/गलत के पहचान करीं : 10

   (अ) 'भोजपुरी लोक साहित्य' कृष्णदेव उपाध्याय के लिखल पुस्तक ह।

   (ब) 'सेमर क फूल' एगो कहानी हवे।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(स) भोजपुरी भारतीय आर्यभाषा परिवार के भाषा हवे।

(द) भोजपुरी भाषा के नामकरण भोजपुर नगर के बोली के रूप में भइल बा।

(य) विश्वविख्यात नालंदा विश्वविद्यालय भोजपुर क्षेत्र मे रहे।

2. सही उत्तर से खाली जगह के भरीं : 10

(अ) 'अंगऊ' ..... विधा के रचना हवे।

(निबन्ध/कहानी)

(ब) 'इमली के बीया' के रचनाकार ..... हवें।

(विद्यानिवास मिश्र/भिखारी ठाकुर)

(स) धरीक्षण मिश्र के रचना ..... हवे।

(महुआवारी में बहार/कवना दुखे डोली में रोवति जाति कनिया)

(द) ..... गबरघिचोर नाटक के पात्र हवन।

(पंच/मेहतर)

(य) लइका के जनम पर ..... गावल जाला।

(सोहर/खेलवना)

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. सप्रसंग व्याख्या करीं : 12

रति भइलि त कँगाली का ई बुझाइल कि आजुए उनुके गवना भइल ह।

4. महुआबारी में 'बहार' कविता के कथ्य लिखीं। 14

5. संस्कारगीत के महत्त्व बताईं। 14

6. गबरघिचोर के कथानक पर प्रकाश डालीं। 14

7. अपनी गाँव में सड़क बनवावे खातिर जिलाधिकारी के एगो पत्र लिखीं। 10

8. नीचे लिखल विसय में से कवनो **एक** पर संछेप में प्रकाश डाली : 10

(अ) रामदेव शुक्ल

(ब) भोजपुरी कहावत

(स) अनुवाद

9. निम्नलिखित में से कवनो एगो लोक गीत लिखीं : 6

(अ) श्रमगीत

(ब) कजरी

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com